पत्रिका

नेपा लिमिटेड में जनजातीय गौरव दिवस

विभिन्न गतिविधियों का किया जा रहा है आयोजन

महापुरुषों ने दी देश की आजादी, संस्कृति की रक्षा के लिए कुर्बानी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में जनजातीय गौरव दिवस पर 15 से 26 नवंबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। सोमवार को नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और देश के अन्य जनजातीय नायकों को याद किया गया।

प्रबंधक कार्मिक व प्रशासन महेंद्र केशरी ने कहा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव, वीरता और आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आदिवासियों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए हर साल जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई आदिवासी आंदोलन चलाए। इन आदिवासी समुदायों में तामार, संथाल, खासी, भील मिज़ो और कोल आदि शामिल हैं। यह साल भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का गौरवशाली साल है। हमारे जनजातीय समाज के महापुरुषों ने देश की आजादी, संस्कृति और जल-जंगल जमीन की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दी थी।

जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि नेपा लिमिटेड सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने जनजातीय नायकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा के तैलचित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि के साथ प्रारंभ हुए। इस दिवस पर 26 नवंबर तक लगातार विभिन्न रचनात्मक आयोजन किए जाएंगे।

19/11/2024 | burahanpur | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

दैनिक भास्कर

बुरहानपुर 19-11-2024

कार्यक्रम • नेपा लिमिटेड में जनजातीय गौरव दिवस 2024 के तहत विभिन्न गतिविधियों का हो रहा आयोजन

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और जनजातीय नायकों को किया याद

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर से 26 नवंबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। सोमवार को नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और देश के अन्य जनजातीय नायकों को याद किया गया। प्रबंधक कार्मिक व प्रशासन महेंद्र केशरी ने कहा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव, वीरता और आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आदिवासियों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए हर साल जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई आदिवासी आंदोलन चलाए। इन आदिवासी समुदायों में तामार, संथाल, खासी, भील, मिज़ो और कोल शामिल हैं। यह साल भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का गौरवशाली साल है। हमारे जनजातीय समाज के महापुरुषों ने देश की आजादी, संस्कृति और जल-जंगल, जमीन की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दी थी। जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया आने वाली पीढ़ियों को देश के लिए जनजातीय वीरों और वीरांगनाओं के बलिदान के बारे में जागरूक करने के लिए भारत सरकार द्वारा 15 नवंबर से 26 नवंबर तक जनजातीय गौरव दिवस 2024 के रूप में घोषित किया गया है। नेपा लिमिटेड सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने जनजातीय नायकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा के तैलचित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि के साथ प्रारंभ हुए। इस दिवस पर 26 नवंबर तक लगातार विभिन्न रचनात्मक आयोजन किए जाएंगे।

नेपा मिल में विभिन्न आयोजन हो रहे हैं।

आगे यह होंगे आयोजन

21 नवंबर को जनजातीय नायकों द्वारा भारत के स्वाधीनता संग्राम और सामाजिक उत्थान में योगदान विषय पर जिले के वरिष्ठ साहित्यकार श्याम सिंह ठाकुर द्वारा संवादात्मक कार्यशाला, इसी दिन जनजातीय गौरव और भारतीय संविधान पर प्रश्नोत्तरी, 26 नवंबर को संविधान दिवस पर समापन समारोह और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के स्मारक पर माल्यार्पण कार्यक्रम होगा।

नेपा लिमिटेड में जनजातीय गौरव दिवस 2024 के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद इंगले बुरहानपुर। नेपानगर में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर से 26 नवंबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। सोमवार को नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और देश के अन्य जनजातीय नायकों को याद किया गया। प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन महेंद्र केशरी ने कहा, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव, वीरता और आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आदिवासियों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए हर साल जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई आदिवासी आंदोलन चलाए। इन आदिवासी समुदायों में तामार, संथाल, खासी, भील, मिज़ो और कोल आदि शामिल हैं। यह साल भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती का गौरवशाली साल है। हमारे जनजातीय समाज के महापुरूषों ने देश की आजादी, संस्कृति और जल-जंगल जमीन की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दी थी। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया, आने वाली पीढ़ियों को देश के लिए जनजातीय वीरों और वीरांगनाओं के बलिदान के बारे में जागरूक करने के लिए भारत सरकार द्वारा 15 नवंबर से 26 नवंबर तक जनजातीय गौरव दिवस 2024 के रूप में घोषित किया गया है। नेपा लिमिटेड सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने जनजातीय नायकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा के तैलचित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि के साथ प्रारंभ हुए। इस दिवस पर 26 नवंबर तक लगातार विभिन्न रचनात्मक आयोजन किए जाएंगे जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैं।-21 नवंबर- जनजातीय नायकों द्वारा भारत के स्वाधीनता संग्राम और सामाजिक उत्थान में योगदान विषय पर जिले के वरिष्ठ साहित्यकार श्याम सिंह ठाकुर द्वारा संवादात्मक कार्यशाला-21 नवंबर- जनजातीय गौरव और भारतीय संविधान पर प्रश्नोत्तरी - 26 नवंबर- संविधान दिवस पर समापन समारोह और संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के स्मारक पर माल्यार्पण।

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में जनजातीय समाज का महत्वपूर्ण योगदान : केशरी

नईदुनिया संजय चौहान 9406689018

नईदुनिया न्यूज, नेपानगर : जनजातीय गौरव दिवस को लेकर नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में भगवान बिरसा मुंडा और देश के अन्य जनजातीय नायकों को याद किया गया। इस दौरान प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन महेंद्र केशरी ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में जनजातीय समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

कार्यक्रम में प्रशासनिक भवन में उपस्थित नेपा मिल के अधिकारी व कर्मचारी। • नईदुनिया

राष्ट्रीय गौरव, वीरता और आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आदिवासियों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए हर साल जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई आदिवासी आंदोलन चलाए गए। इन आदिवासी समुदायों में तामार, संथाल, खासी, भील, मिजो और कोल आदि शामिल थे।

आने वाली पीढ़ियों को देश के जनजातीय वीरों और वीरांगनाओं के बलिदान के बारे में जागरूक करने के लिए भारत सरकार द्वारा 15 से 2 नवंबर तक जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। सीएमडी राकेश कुमा चोखानी के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अप जनजातीय नायकों के प्रति कृतज्ञ व्यक्त की जा रही है।

स्वदेश

खंडवा - मुख्य संस्करण

Date 19 Nov 2024

बिरसा मुंडा व जनजातीय नायकों को किया याद

नेपा लिमिटेड में जनजातीय गौरव दिवस के तहत हो रही विभिन्न गतिविधियां

स्वदेश समाचार ■ नेपानगर

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर से 26 नवंबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। सोमवार को नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और देश के अन्य जनजातीय नायकों को याद किया गया। प्रबंधक कार्मिक व प्रशासन महेंद्र केशरी ने कहा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव, वीरता और आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में जनजातियों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए हर साल जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है।

जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया आने वाली पीढ़ियों को देश के लिए जनजातीय वीरों और वीरांगनाओं के बलिदान के बारे में जागरूक करने के लिए भारत सरकार द्वारा 15 नवंबर से 26 नवंबर तक जनजातीय गौरव दिवस 2024 के रूप में घोषित किया गया है।

आगे यह होंगे आयोजन

21 नवंबर को जनजातीय नायकों द्वारा भारत के स्वाधीनता संग्राम और सामाजिक उत्थान में योगदान विषय पर जिले के वरिष्ठ साहित्यकार श्याम सिंह ठाकुर द्वारा संवादात्मक कार्यशाला, इसी दिन जनजातीय गौरव और भारतीय संविधान पर प्रश्नोत्तरी, 26 नवंबर को संविधान दिवस पर समापन समारोह और संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के स्मारक पर माल्यार्पण।